>

Title: Need to check the spread of Kalazar fever in various districts of Bihar, U.P., Jharkhand and West Bengal.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): महोदया, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल - चार राज्यों के करीब 40 जिलों में कालाजार महामारी का रूप ले रहा है, खासकर जो गरीब लोग -- मुसहर, धानुक, मल्हार, नौनियां, ततमा, धुनिया, ड्राइवर आदि हैं, जो गरीब आदमी सरजमीं पर सोते हैं, सैंटफ्लाई मक्खी उन्हीं को काटती है। मलेरिया का मच्छर भी गरीब व्यक्ति को ही काटता है। इन दोनों बीमारियों से करीब 50 हजार गरीब लोग पीड़ित हैं। प्रिवैंटिव मेजर्स के तौर पर डीडीटी का प्रे भी नहीं हुआ। कहीं आंशिक रूप से छुटपुट हुआ है और कहीं वह भी नहीं हुआ। क्यूरेटिव मेजर्स की दवा--पेन्टामिडिन, लोमोडिन, कैल्शियम बायग्लूकोनिट आदि सभी का अभाव हो गया है। गरीब आदमी इन्हें कहां से खरीदेगा? वह भगवान भरोसे जी रहा है। इससे हजारों लोग मर गये, लेकिन राज्य सरकारों द्वारा कोई उपाय होता हमने नहीं देखा। क्रिमिनल नेग्लीजैंस हुआ है, आपराधिक लापरवाही हो रही है।

अध्यक्ष महोदया, बाहर के देशों से स्वाइन फ्लू हवाई जहाज द्वारा इस देश में भी आ गया है। कभी-कभी डेंगू की बीमारी भी फैलने लगती है। अगर कोई बड़ा आदमी बीमार हो जाता है, तो हल्ला मच जाता है। तकरीबन सौ लोग बीमार हुए हैं। स्वाइन फ्लू का हल्ला मचा, एच वन, एन वन आया। लेकिन गरीब लोग कालाजार बीमारी से मर रहे हैं। खौर नहीं खरखरा रहा है, पानी का बुलबुला नहीं उठ रहा है।

महोदया, मेरी दो प्रार्थनाएं हैं -- एक प्रार्थना यह है कि भारत सरकार कैटेगॉरिकल स्टेटमैंट दे कि कितने गांवों में यह बीमारी फैली हुई है, कितने लोग मारे गये हैं, कितने लोग प्रभावित हैं, कहां-कहां डीडीटी का प्रे हुआ है? भारत सरकार ने क्या सहायता दी और राज्य सरकारों ने उसका कैसे इस्तेमाल किया? प्रिवैंटिव और क्यूरेटिव मेजर्स अपनाने के लिए सरकार कौन सी कार्रवाई करती है? दूसरी प्रार्थना यह है कि स्वाइन फ्लू पर बहस अधूरी हुई है। उस बहस में केवल दो माननीय सदस्यों ने ही अभी तक भाग लिया है।

मेरी आपसे प्रार्थना है कि स्वाइन फ्लू के साथ कालाजार बीमारी के बारे में बहस हो, लेकिन उससे पहले सरकार का स्टेटमैंट आये। कालाजार बीमारी पर सदन में बहस हो, नहीं तो गरीब लोग मरते रहेंगे। उनके बारे में कोई चर्चा नहीं होती है। यदि बड़े लोगों को कोई बीमारी हो जाती है, तो हल्ला मच जाता है। गरीबों पर अन्याय हो रहा है। सरकारों का क्या हाल है? ...(व्यवधान) यदि सरकार कालाजार और मलेरिया के मच्छरों को भी नहीं मार सकती, तो और क्या कर सकती है?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रघुवंश जी, अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदया, हमने सवाल उठाया है, इसलिए सरकार को उस पर रिस्पांस देना चाहिए। ...(व्यवधान) केवल टुकर-टुकर ताकना नहीं चाहिए, उठकर रिस्पांस देना चाहिए कि जो गरीब लोग मारे जा रहे हैं, उनके लिए क्या उपाय किये गये, कौन सी कार्रवाई हुई, नहीं तो सरकार कहे कि गरीब व्यक्ति भगवान भरोसे जीयेगा। ...(व्यवधान) नैशनल रुरल हैल्थ मिशन, डब्ल्यूएचओ ...(व्यवधान) मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया सब बेकार हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : गरीबों के लिए कोई उपाय नहीं किया गया।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Now, this will not go on record.

*(Interruptions) â€¦**